PARIVARTAN
परिवर्तन

जुलाई 2026 अंक 4, खंड 10

परिवर्तन पत्रिका

समुदाय के लिए तक्षशिला की एक पहल

ग्राम एवं पो. नरेन्द्रपुर, प्रखण्ड: जीरादेई, जिला: सिवान-841 446 बिहार | मोबाइल : +91 8434170118 | Email : Info@parivartanbihar.org

अवलोकन क्षमता हमें दुनिया को अलग नजरिये से देखने हेतु प्रेरित करती है

परिवर्तन की कला इकाई घरौंदा द्वारा नियमित रूप से ये प्रयास किया जाता है कि विभिन्न माध्यमों से कला के क्षेत्र में बच्चों को प्रोत्साहित किया जा सके। इसके लिए कई बार समय समय पर विभिन्न कला के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है जो नियमित रूप से किशोर किशोरियों एवं युवक युवतियों को कला की बारीकियों से रूबरू करवाते हैं। इसी कड़ी में दिनांक 8-17 जुलाई 2026 तक चित्रण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य आस पास की किशोरियों के कलात्मक कौशल को निखारना एवं चित्रकला के माध्यम से कहानी को पढ़ना एवं समझना के कौशल का विकास करना था। परिवर्तन से जुड़ी कुल 17 किशोरियों ने अपने समुदाय, घर और आस पड़ोस की घटनाओं के आधार पर अपनी रचना को कहानी के रूप में लिखा।

इस चित्रण कार्यशाला में उन 17 कहानियों के लिए चित्र तैयार करने थे। इस कार्यशाला के विशेषज्ञ के रूप में कुशल कला शोधकर्ता एवं प्रशिक्षक मुस्कान सिंह जी को आमंत्रित किया गया था। यह कार्यशाला इन 10 दिनों में दो सत्र में आयोजित हुई। पहले सत्र में विशेषज्ञ द्वारा उच्च विद्यालययों में जाकर स्कूल के बच्चों के साथ कलाकृति बनवाई गयी और वहीँ दूसरे सत्र का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया गया , जिसमें समुदाय की किशोरियों ने कहानी के आधार पर चित्रांकन किया। इस कार्यशाला में विद्यालय में 180 किशोरियों तथा परिवर्तन परिसर में कुल 31 किशोरियों ने भाग लिया। इस प्रकार इन 17 कहानियों के आधार पर चित्रांकन में कुल 211 किशोरियों ने भाग लिया। इन किशोरियों द्वारा बनाई गयी विभिन्न कलाकृतियों में से कुल 100 कलाकृतियों का चयन करके आगे भेजा गया है। अब इन बच्चों द्वारा बनायी गयी तस्वीर का उपयोग आने वाली किताब में किया जायेगा। इस कार्यशाला में भाग लेकर सभी किशोरियां एवं उनके अभिभावक व् विद्यालय परिवार काफी उत्साह में है।

इन्सान की असली पहचान उसके कर्म और व्यवहार से होती है

सामुदायिक रंगमंच प्रत्येक वर्ष 3-4 पूर्णकालिक नाटकों का प्रदर्शन करती रही है। इसी कड़ी में 15 जुलाई 2026 को परिवर्तन परिसर में विजयदान देथा की कहानी *आदमजात* की नाट्य प्रस्तुति की गयी। यह नाटक मनुष्य के स्वभाव, लालच, रिश्तों और सामाजिक व्यवस्था को लोक कथा शैली में प्रस्तुत करता है। कहानी में दिखाया गया है कि इंसान की असली पहचान उसके कर्म और व्यवहार से होती है केवल जाति पद या बाहरी प्रतिष्ठा से नहीं। कहानी में मानवीय रिश्तों और परिस्थितियों के माध्यम से यह सवाल उठाया गया है कि मनुष्य आखिर किसे कहा जाए ? क्या सिर्फ इन्सान के रूप में जन्म लेना ही पर्याप्त है या उसके भीतर मानवता, संवेदना, और न्याय भी होना चाहिए? इस नाट्य प्रदर्शन में 10 गाँवों से लगभग 300 दर्शक उपस्थित रहे। कुल मिलाकर कहा जाए तो यह नाट्य मंचन काफी सफल रहा।

सामाजिक मुद्दों पर युवाओं एवं युवतियों की प्रस्तुति और सहभागिता भविष्य के बेहतर संकेत हैं

सामुदायिक खेल इकाई उमंग द्वारा खेल की नियमित गतिविधियों को करवाने के साथ-साथ विद्यालय स्तर पर नेतृत्व कौशल का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण सत्र में कक्षा 9-10 वीं के विद्यार्थी भाग लेते हैं। इस प्रशिक्षण के प्रभाव एवं बच्चों के अन्दर नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन अलग अलग तिथियों पर किया गया। इसी कड़ी में दिनांक 15 जुलाई 2026 को उत्क्रमित माध्यमिक उच्च विद्यालय रुईया बंगरा और दिनांक 29 जुलाई 2026 को शहीद उमाकांत उच्च विद्यालय नरेन्द्रपुर में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रुईया बंगरा वाले आयोजन में कुल 6 विद्यालयों से 20 वक्ता प्रतिभागियों ने भाग लिया वहीँ शहीद उमाकांत उच्च विद्यालय के आयोजन में 4 विद्यालयों से कुल 12 वक्ता प्रतिभागियों ने भाग लिया। दोनों दिनों की प्रतियोगिता में विद्यालय प्रबंधन एवं निर्णायक टीम द्वारा बेहतर प्रदर्शन करने वाले तीन - तीन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के पीछे का मूल उद्देश्य प्रतिभागियों के अन्दर सम्प्रेषण कौशल के विकास के साथ साथ सामाजिक विषयों पर अपनी बात रख पाने के कौशल को बढ़ावा देने का है।

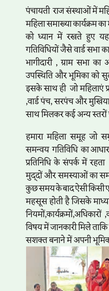

पंचायत को नूतन नेतृत्व देने के लिए तैयार हो रही हैं नयी बहुएं

पंचायती राज संस्थाओं में महिला नेतृत्व को सशक्त करना जागृति महिला समाख्या कार्यक्रम का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम पंचायत की महत्वपूर्ण गतिविधियों जैसे वार्ड सभा का आयोजन और उसमें महिलाओं की भागीदारी , ग्राम सभा का आयोजन और उसमें महिलाओं की उपस्थिति और भूमिका को सुदृढ़ करने के लिए कार्य कर रहा है। इसके साथ ही जो महिलाएं प्रतिनिधि की हैसियत से वार्ड सदस्य ,वार्ड पंच, सरपंच और मुखिया जैसे पदों पर कार्य कर रही हैं उनके साथ मिलकर कई अन्य स्तरों पर कार्य कर रहा है।

हमारा महिला समूह जो समुदाय और पंचायत के इस अंतर समन्वय गतिविधि का आधार स्तम्भ है लगातार अपने महिला जन प्रतिनिधि के संपर्क में रहता है और उनके साथ मिलकर अपने मुद्दों और समस्याओं का समाधान करता है। स्वाभाविक रूप से कुछ समय के बाद ऐसी किसी एक गतिविधि की पुरजोर आवश्यकता महसूस होती है जिसके माध्यम से नयी महिलाओं को पंचायत के नियमों,कार्यक्रमों,अधिकारों ,कर्तव्यों,शक्तियों और चुनौतियों के विषय में जानकारी मिले ताकि वे पंचायत को और प्रभावशाली और सशक्त बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकें।

इस कार्यक्रम में अलग -अलग गाँवों और पंचायतों से कुल 45 महिलाओं की उपस्थिति रही। यहाँ दो बातें विशेष रूप से उल्लेखनीय है : पहली,- इन 45 महिलाओं में 20 महिलाएं 35 वर्ष से कम उम्र की थी और 17 महिलाओं ने मैट्रिक और उससे ऊपर की पढ़ाई की हुई थी। जाहिर है, इसके कारण यह परिचर्चा काफी रोचक और ज्ञानवर्धक रही। नयी बहुओं का आत्मविश्वास और उत्साह ने कार्यक्रम को काफी प्रभावकारी बना दिया। इतना ही नहीं समूह से पहले से जुड़ी महिलाओं ने दो ग्रुप में इस विषय पर विस्तार से गहन चर्चा की। हमने जिस पंचायत राज व्यवस्था को स्थापित करने की सोची थी वह अब तक कैसा बना है ? दूसरे शब्दों में कहें तो पंचायत ने कौन सी उपलब्धि हासिल की है और क्या कुछ हासिल करना अभी भी शेष रह गया है ?

दूसरी बात,- पंचायत प्रतिनिधियों और कार्मिकों के लिए टी. आई. एस. एस के द्वारा जो सन्दर्भ पुस्तिका बनाई गयी है वह एक बेहद रचनात्मक दस्तावेज है और इस परिचर्चा में उसका भी सार्थक उपयोग किया गया। हमने उन सभी महिलाओं को एक पुस्तिका दी थी जिसे पढ़कर वे अपना प्रस्तुतिकरण देने के लिए तैयार हुई थीं। 20 पुस्तिकाओं के इस सेट में पंचायत से सम्बंधित 20 विषयों के बारे में बताया गया है। पहली पुस्तिका ग्राम सभा और वार्ड सभा को लेकर है तो आखिरी ग्राम पंचायत ; नेतृत्व और नैतिकता विषय पर है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने बताया कि यह परिचर्चा उनके लिए काफी रोचक और उपयोगी रही।

खेती में प्रतिकूल असर की स्थिति में किसानों को अपने को तैयार रखना चाहिए

इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव तथा जून माह में सिवान जिले में सामान्य से कम वर्षा होने के कारण खेती-किसानी पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका को देखते हुए जुलाई माह में परिवर्तन संस्था की कृषि इकाई ने अपने कार्यक्षेत्र में कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को बढ़ावा देने की योजना बनाई। इसी क्रम में मोटे अनाज (मडुवा/रागी) एवं अरहर जैसी जलवायु-अनुकूल फसलों का चयन किया गया, ताकि किसान कम वर्षा की स्थिति में भी बेहतर उत्पादन एवं आय प्राप्त कर सकें। अरहर की खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से परिवर्तन ने कृषि विज्ञान केंद्र, सिवान तथा राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के सहयोग से विशेष जागरूकता अभियान चलाया।

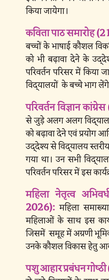

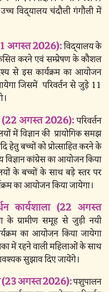

अभियान के तहत परिवर्तन परिसर एवं आसपास के गांवों में किसानों के साथ कई जागरूकता एवं प्रशिक्षण बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों में कृषि विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों ने किसानों को अरहर की वैज्ञानिक एवं आधुनिक खेती की तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। इसमें उन्नत किस्मों का चयन, समय पर बुवाई, बीज उपचार, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा जल संरक्षण के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गयी। विशेषज्ञों ने बताया कि अरहर कम पानी में भी अच्छी उपज देने वाली दलहनी फसल है, जो मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के साथ-साथ किसानों की आय में भी वृद्धि कर सकती है। इस अवसर पर किसानों के बीच राजेंद्र-2 किस्म के उन्नत अरहर बीज का निःशुल्क वितरण भी किया गया। संस्था ने किसानों से अपील की कि वे बदलती जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कम पानी वाली फसलों को अपनाएं और वैज्ञानिक खेती की तकनीकों का उपयोग कर उत्पादन लागत कम करते हुए बेहतर लाभ प्राप्त करें।परिवर्तन संस्था भविष्य में भी किसानों को जलवायु-अनुकूल खेती के प्रति जागरूक करने, उन्नत बीज उपलब्ध कराने तथा तकनीकी सहयोग प्रदान करने के लिए ऐसे कार्यक्रम लगातार आयोजित करती रहेगी।

आगे आने वाले प्रमुख कार्यक्रम

भाषण प्रतियोगिता (20 अगस्त 2026): बच्चों के अन्दर नेतृत्व एवं सम्प्रेषण कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा जिसमें नेतृत्व कौशल का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थी भाग लेंगे एवं अपनी बातों को विद्यालय के अन्य बच्चों एवं शिक्षकों के बीच रखेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन उच्च विद्यालय चंदौली गंगौली में किया जायेगा।

कविता पाठ समारोह (21 अगस्त 2026): विद्यालय के बच्चों के भाषाई कौशल विकसित करने एवं सम्प्रेषण के कौशल को भी बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा जिसमें परिवर्तन से जुड़े 11 विद्यालयों के बच्चे भाग लेंगे।

परिवर्तन विज्ञान कांग्रेस (22 अगस्त 2026): परिवर्तन से जुड़े अलग अलग विद्यालयों में विज्ञान की प्रायोगिक समझ को बढ़ावा देने एवं प्रयोग आदि हेतु बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विद्यालय स्तरीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया गया था। उन सभी विद्यालयों के बच्चों के साथ बड़े स्तर पर परिवर्तन परिसर में इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

महिला नेतृत्व अभिवर्धन कार्यशाला (22 अगस्त 2026): महिला समाख्या के ग्रामीण समूह से जुड़ी नयी महिलाओं के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें समूह में अग्रणी भूमिका में रहने वाली महिलाओं के साथ उनके कौशल विकास हेतु आवश्यक सुझाव दिए जायेंगे।

पशु आहार प्रबंधन गोष्ठी (23 अगस्त 2026): पशुपालन से जुड़े किसानों के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा। कार्यक्रम के तहत पशु के दैनिक आहार एवं उनके रखरखाव से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी एवं आवश्यक सुझाव भी दिए जायेंगे।

स्कुल कबड्डी प्रतियोगिता (25 अगस्त 2026): विद्यालय स्तर पर चलने वाली कबड्डी टीम के अन्दर हो रही उन्नति को देखने एवं उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें अलग अलग कुल 6 विद्यालय के बच्चे भाग लेंगे।

खेल दिवस (29 अगस्त 2026): सामुदायिक खेल इकाई उमंग से जुड़े खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने एवं खेल के क्षेत्र में उनके द्वारा किये गए प्रयासों एवं उपलब्धियों को अन्य बच्चों सहित अभिभावकों के बीच प्रस्तुत करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा।

पोषण माह कार्यक्रम (1-3 सितम्बर 2026): स्वास्थ्य एवं खानपान के प्रति आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़े बच्चों एवं उनके माता पिता को जागरूक करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन अलग अलग तिथियों पर अलग अलग आंगनबाड़ी केंद्र के साथ किया जायेगा।

शिक्षक दिवस सह शिक्षक बैठक (4 सितम्बर 2026): विद्यालय स्तर पर परिवर्तन द्वारा संचालित किये जाने वाले कार्यक्रम की समीक्षा एवं उसके प्रति विद्यालय प्रबंधन के सुझाव को आमंत्रित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें कुल 27 विद्यालयों से लगभग 60 शिक्षक भाग लेंगे।

फुटबॉल विडियो सत्र (6 सितम्बर 2026): फुटबॉल से जुड़े खिलाडियों की क्षमता वृद्धि एवं उन्हें नए नए कौशल से परिपूर्ण करने के उद्देश्य से फुटबॉल विडियो प्रदर्शन सत्र का आयोजन किया जायेगा। इस विडियो सत्र मे बड़े स्तर के फुटबॉल मैच को दिखाया एवं समझाया जायेगा।

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस सह कहानी पाठ (8 सितम्बर 2026): शिक्षा एवं साक्षरता की महता को बताने एवं उसके प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के बच्चों के साथ कहानी पाठ का आयोजना किया जायेगा जिसमें परिवर्तन पुस्तकालय से किताबों की कहानियां को लिया जाएगा।

एक दिवसीय विज्ञान कार्यशाला (9 सितम्बर 2026): परिवर्तन से जुड़े विद्यालय के बच्चों में विज्ञान की प्रायोगिक समझ को बढ़ावा देने एवं प्रयोग आदि हेतु बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें विद्यालय के बच्चे अलग अलग टॉपिक से जुड़े मॉडल तैयार करके प्रस्तुत करेंगे।

सेविका एवं सहायिका प्रशिक्षण (10-12 सितम्बर 2026): परिवर्तन से जुड़े आंगनबाड़ी केंद्र की सेविकाओं एवं सहायिकाओं की कौशल वृद्धि एवं बच्चों के साथ किये जा सकने वाले नयी नयी गतिविधियों को सिखाने के उद्देश्य से सेविका एवं सहायिका प्रशिक्षण का आयोजन किया जायेगा जिसमें प्रशिक्षक के रूप में दिल्ली पब्लिक स्कूल पटना के प्रशिक्षक भाग लेंगे।